सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 8 ● अंक: 324 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, बुधवार, 4 जनवरी, 2023

उथल-पुथल और अराजकता के बीच अपने भीतर शांति बनाये रखें।

-दीपक चोपड़ा

मूल्य ₹ 3/-

कोर्ट से आजम को... 8 | पिछड़ा-अति पिछड़ा के बहाने अपने... 3 | अयोध्या के मुख्य पुजारी के बाद... 7

जाटलैंड में राहुल की जयकार

जयंत-टिकैत 'भारत जोड़ो' के साथ

» आज बागपत जिले में पहुंचा भारत जोड़ो का कारवां

परवेज़ ज्यागी

लखनऊ। देश में राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा का दूसरा चरण चल रहा है। उनकी यह यात्रा इस समय उत्तर प्रदेश का जाटलैंड कहे जाने वाले पश्चिमी यूपी से होकर गुजर रही है। आज यात्रा के द्वितीय चरण के दूसरे दिन भारत जोड़ो का कारवां बागपत जिले में है। यह जिला राजनीतिक लिहाज से बड़ा अहम है। पूर्व प्रधानमंत्री स्व. चौधरी चरण सिंह इस क्षेत्र से चुनकर संसद की सीढ़ियां चढ़े और सियासत के सर्वोच्च शिखर तक पहुंचे थे। आज इसी धरती पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी के जयकारे गूंज रहे हैं।

किसान नेता राकेश टिकैत और राष्ट्रीय लोकदल के अध्यक्ष जयंत चौधरी का भी राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा को समर्थन मिला है। जिसकी बानगी बुधवार को बागपत की सड़कों पर भी दिखाई दी। अपने संगठन और पार्टी का झंडा लेकर टिकैत और जयंत के समर्थक राहुल की पैदल यात्रा में शामिल हुए और भारत जोड़ो की मुहिम का स्वागत कर समर्थन किया। राहुल गांधी के जाटलैंड में आज लग रहे जयकारों की गूंज दिल्ली तक सुनाई पड़ रही है। यात्रा के दौरान जिस तरह से राहुल के समर्थन में भीड़ का सैलाब उमड़ रहा है उससे निश्चित ही सत्ता पक्ष में खलबली मचना तो तय है। यही वजह है कि केंद्र से लेकर राज्य सरकार तक राहुल की यात्रा पर कड़ी नजर रखे हुए है और इससे देश में पल-पल बदल रहे सियासी हालात पर भी भाजपा मंथन कर रही है और नए सिरे से रणनीति बनाने में जुट गई है। कड़ाके की ठंड में यात्रा में उमड़ रही भीड़ राहुल की भारत जोड़ो से बढ़ती लोकप्रियता को खुद में बयां कर रही है। गौरतलब है कि राहुल गांधी ने तमिलनाडु के कन्याकुमारी से कश्मीर तक पैदल यात्रा का प्रण किया है। भारत जोड़ो के नारे के साथ अब तक राहुल का यह कारवां करीब 3 हजार किमी की दूरी को तय कर चुका है। जबकि यात्रा का लक्ष्य 3570 किमी का निर्धारित किया गया है। ऐसे में राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के बाद उसी से सटे पश्चिमी यूपी में यात्रा को भारी जनसमर्थन का मिलना कांग्रेसियों के लिए किसी संजीवनी बूटी से कम नहीं है।

कड़ाके की ठंड में उमड़ी भीड़ राहुल गांधी की लोकप्रियता को कर रही बयां

इलाज के लिए मुंबई शिफ्ट होंगे ऋषभ पंत

» बीसीसीआई और डीडीसीए ने और बेहतर इलाज कराने का लिया है फैसला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

फाइल फोटो

नई दिल्ली। भारत के स्टार क्रिकेटर ऋषभ पंत सड़क हादसे का शिकार हुए थे। रुड़की के पास कार एक्सीडेंट में उन्हें गंभीर चोटें आई थीं। उनका इलाज देहरादून में चल रहा है, लेकिन अब दिल्ली एंड डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन ने बड़ा फैसला लिया है। डीडीसीए पंत को इलाज के लिए मुंबई ले जाएगा। वहीं, उनके लिगामेंट इंजरी का इलाज होगा। डीडीसीए के डायरेक्टर श्याम शर्मा ने कहा- क्रिकेटर ऋषभ पंत को आगे के इलाज के लिए आज मुंबई स्थानांतरित किया जाएगा। पंत का 30 दिसंबर को एक कार दुर्घटना के बाद देहरादून के एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है।

बीसीसीआई ने बताया था कि पंत के सिर पर दो कट लगे हैं। उनके दाहिने घुटने में लिगामेंट फट गया है और उनकी दाहिनी कलाई, टखने, पैर के अंगूठे में भी चोट लगी है। साथ ही उनकी पीठ पर घर्षण की चोट लगी है। पंत की हालत फिलहाल खतरे से बाहर है, लेकिन अब बीसीसीआई और डीडीसीए ने उनका और बेहतर इलाज कराने का फैसला लिया है।

यूपी की योगी सरकार को झटका

सर्वोच्च अदालत ने दुबे को दी 'खुशी'

» आदेश में कहा-इस केस में ट्रायल शुरू हो गया अब उसे जेल में रखने की जरूरत नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। विकास दुबे मामले में जेल में बंद खुशी दुबे को आज सुप्रीम कोर्ट ने जमानत दे दी है। यूपी सरकार ने शीर्ष अदालत में खुशी की जमानत का विरोध करते हुए तर्क दिया कि वह गिरोह को सक्रिय कर सकती है। हालांकि, इस पर कोर्ट ने कहा कि घटना के समय उसकी उम्र 17 साल से भी कम थी। यूपी सरकार की तरफ से ये भी कहा गया कि जेल रिपोर्ट के मुताबिक खुशी का व्यवहार ठीक नहीं था, दूसरे कैदियों के साथ उन्होंने झगड़े किए थे।

सुप्रीम कोर्ट ने खुशी को जमानत देते हुए कहा कि अब इस केस में ट्रायल शुरू हो गया है, इसलिए अब उसे जेल में रखने की जरूरत नहीं है। उच्चतम न्यायालय ने खुशी को हर हफ्ते संबंधित पुलिस स्टेशन में रिपोर्ट करने के लिए कहा है। कोर्ट ने सेशन कोर्ट को जमानत के लिए शर्तें तय करने का निर्देश दिया। अमर दुबे की शादी 29 जून 2020 को खुशी दुबे से हुई थी। शादी के महज तीन दिन बाद 2 जुलाई 2020 को बिकरू कांड हुआ था। खुशी दुबे के शैक्षणिक प्रमाण पत्रों के आधार पर घटना के वक्त वह नाबालिग थी।

> लम्बे संघर्ष के बाद न्याय की जीत हुई। सर्वोच्च न्यायालय ने खुशी दुबे को जमानत दे दी। सत्यमेव-जयते।
>
> संजय सिंह, राज्यसभा सांसद, आप

भाजपा सरकार आरक्षण को छीनना चाहती है: अखिलेश

» सपा प्रमुख ने कहा-डर गई है भाजपा, इसीलिए निकाय चुनाव में करा रही है देरी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मैनपुरी। यूपी में हुए उपचुनाव के बाद समाजवादी पार्टी के हौसले काफी बुलंद हैं। वहीं सपा प्रमुख अखिलेश यादव भाजपा सरकार पर लगातार आक्रामक रुख अपनाए हुए हैं। इस बीच अखिलेश यादव ने एक बार फिर भाजपा पर हमला बोला है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि मैनपुरी लोकसभा उपचुनाव में समाजवादी पार्टी की बंपर जीत से भाजपा डर गई है।

इसलिए भाजपा निकाय चुनाव को जान बूझकर टाल रही है। इसीलिए भाजपा सरकार ने पहले सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के विपरीत निकाय चुनाव का आरक्षण किया। इसके बाद फिर उच्च न्यायालय में भी गलत शपथ पत्र दिए। सपा मुखिया ने मैनपुरी के मलपुर स्थित एक विद्यालय में आयोजित धन्यवाद सभा को संबोधित किया। सपा अध्यक्ष ने कहा कि अच्छे दिनों का वादा करने वाली भाजपा सरकार ने केवल महंगाई और बेरोजगारी ही दी है। भाजपा सरकार में सभी व्यवस्थाएं बदहाल हैं। नालियां, गंदगी, जाम पूरे प्रदेश में ये समस्याएं लोगों के सामने बनी हुई हैं। इनसे सरकार लोगों को निजात नहीं दिला पा रही है। उन्होंने भाजपा पर चुटकी लेते हुए कहा कि प्रदेश में जहां भी नगर निकाय में भाजपा के चेयरमैन और मेयर था, वहां डेंगू अधिक फैला। क्योंकि वहां जलभराव की समस्या से निजात नहीं मिल सकी। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार आरक्षण को छीनना चाहती है। लेकिन समाजवादी पार्टी इसके लिए संघर्ष करेगी। भाजपा सरकार द्वारा किसानों की आय दोगुनी करने की बात पर अखिलेश ने पलटवार किया। उन्होंने कहा कि किसान यूरिया और डीएपी के लिए परेशान है। अगर बुवाई कर लेता है तो गोवंश फसल खा जाते हैं।

गंगा में गिर रहे प्रदेश के नाले, कैसे होगी साफ

गंगा नदी को निर्मल बनाने के लिए भाजपा सरकार द्वारा चलाए जा रहे अभियान पर भी सपा प्रमुख ने सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि पूरे प्रदेश में नाले नदियों में गिर रहे हैं। जिले की सीमा से होकर गुजरने वाली गंगा की सहायक नदी काली नदी में सीधे नाले गिरने की भी उन्होंने बात कही। उन्होंने कहा कि सरकार हजारों करोड़ गंगा को स्वच्छ बनाने के नाम पर खर्च कर रही है, लेकिन सहायक नदियों पर गिरने वाले नालों पर रोक नहीं लगाई जा सकी। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि मैनपुरी लोकसभा उपचुनाव में समाजवादी पार्टी की बंपर जीत से भाजपा डर गई है। इसलिए भाजपा निकाय चुनाव को जान बूझकर टाल रही है। इसीलिए भाजपा सरकार ने पहले सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के विपरीत निकाय चुनाव का आरक्षण किया। इसके बाद फिर उच्च न्यायालय में भी गलत शपथ पत्र दिए।

लोकतंत्र को कमजोर करने का काम करती है कांग्रेस: ब्रजेश पाठक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा यूपी में प्रवेश कर चुकी है। इसके साथ ही यात्रा को लेकर बयानबाजी का दौर भी शुरू हो चुका है। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने राहुल की यात्रा पर बयान देते हुए कहा कि यह यात्रा यूपी को सिर्फ छूकर ही निकल जाएगी। इससे स्पष्ट है कि यूपी की जनता ने राहुल गांधी और कांग्रेस को नकार दिया है।

इसलिए वो सांकेतिक यात्रा लेकर यूपी को छू कर बाहर-बाहर निकल रहे हैं। उन्होंने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि यह वही राहुल गांधी हैं जो कि यूपी की जनता को छोड़कर केरल चले गए थे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस लोकतंत्र को कमजोर करने का काम करती है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि राहुल गांधी भारत जोड़ने का ढोंग कर रहे हैं। उनकी यात्रा में टुकड़े-टुकड़े गैंग के लोग शामिल हैं। गौरतलब है कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा ने दिल्ली से होते हुए 3 जनवरी को उत्तर प्रदेश में प्रवेश किया है। यूपी में यात्रा सिर्फ 3 दिनों में 3 जिलों को ही कलर करेगी।

रालोद और भाकियू ने किया 'भारत जोड़ो यात्रा' का स्वागत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बागपत। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा यूपी में दूसरे दिन बागपत के मवीकलां से शुरू हुई। यात्रा में राहुल गांधी के साथ ही पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह, जयराम ठाकुर, सलमान खुर्शीद, कन्हैया कुमार समेत कई बड़े नेता शामिल है। यात्रा के शुरू होते ही रालोद व भाकियू नेताओं ने यात्रा का स्वागत किया।

भारत जोड़ों यात्रा मंगलवार शाम को बागपत के मवीकलां पहुंच गई थी। जिसमें राहुल गांधी व प्रियंका गांधी नहीं आए थे, जो सुरक्षा कारणों से लोनी से वापस दिल्ली चले गए थे। राहुल गांधी बुधवार सुबह ही मवीकलां पहुंच गए। वहीं अन्य सभी वरिष्ठ नेता, प्रदेश स्तरीय व स्थानीय नेताओं के साथ कार्यकर्ता पहले से यात्रा के लिए तैयार थे। नेताओं व कार्यकर्ताओं ने सुबह पांच बजे उठकर ही यात्रा के लिए तैयारी शुरू कर दी थी। यहां राहुल गांधी के पहुंचते ही यात्रा शुरू करा दी गई। राहुल गांधी कड़ाके की ठंड में टी-शर्ट पहनकर ही यात्रा में सबसे आगे चलते रहे, जबकि उनके चारों तरफ कड़ी सुरक्षा का घेरा रहा। राहुल गांधी के साथ वहीं नेता चले, जिनके नाम पहले से तय किए गए थे। कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा शुरू होते ही रालोद व भाकियू नेताओं ने उसका स्वागत किया।

इसके साथ ही काठा गांव में यात्रा का स्वागत किया गया तो आगे भी यात्रा का कई जगह स्वागत कार्यक्रम रखा गया है। बड़ौत में सभा को संबोधित करने के बाद राहुल गांधी आगे शामली के लिए निकल गए। राहुल को देखने के लिए बागपत में युवाओं से लेकर बुजुर्गों तक सभी में काफी उत्साह देखने को मिल रहा है।

हिमाचल में नहीं दी जाएगी नौकरियों की बिक्री की अनुमति: सीएम सुक्खू

» कहा-पेपर लीक मामले में आरोपियों पर होगी कड़ी कार्रवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि राज्य सरकार विभिन्न पदों के लिए स्वतंत्र और निष्पक्ष भर्ती परीक्षा सुनिश्चित करेगी। उन्होंने कहा कि हिमाचल में नौकरियों की बिक्री की अनुमति नहीं दी जाएगी। सुक्खू ने हाल के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस के पक्ष में जनादेश पर कांगड़ा जिले के लोगों को धन्यवाद देने के लिए धर्मशाला के जोरावर स्टेडियम में आयोजित जन आभार रैली को संबोधित किया।

उन्होंने आरोप लगाया कि हिमाचल प्रदेश कर्मचारी चयन आयोग हमीरपुर भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार के तहत प्रश्नपत्र बेचने का अड्डा बन गया था। सीएम सुक्खू ने कहा कि हमारी सरकार ने साहसिक फैसला लेते हुए आयोग के कामकाज को निलंबित कर दिया। उन्होंने दोहराया कि विधानसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस के घोषणापत्र में जिन 10 गारंटियों का वादा किया गया था, उन्हें चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाएगा। सुक्खू ने कहा कि सरकार की सूझबूझ के चलते पेपर लीक करने वाले लोगों का भंडाफोड़ हुआ था। कहा कि उन्होंने 12 दिसंबर को ही पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक कर परीक्षाओं के दौरान सक्रिय रहने के निर्देश दिए थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पेपर लीक होने के बाद हिमाचल प्रदेश कर्मचारी चयन आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हुए थे। राज्यभर के युवाओं के लिए परीक्षा लेने वाले आयोग की विश्वसनीयता पर भी प्रश्न चिन्ह लगा। ऐसे में सरकार ने हिमाचल प्रदेश कर्मचारी चयन आयोग की फंक्शनिंग को सस्पेंड कर दिया था।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

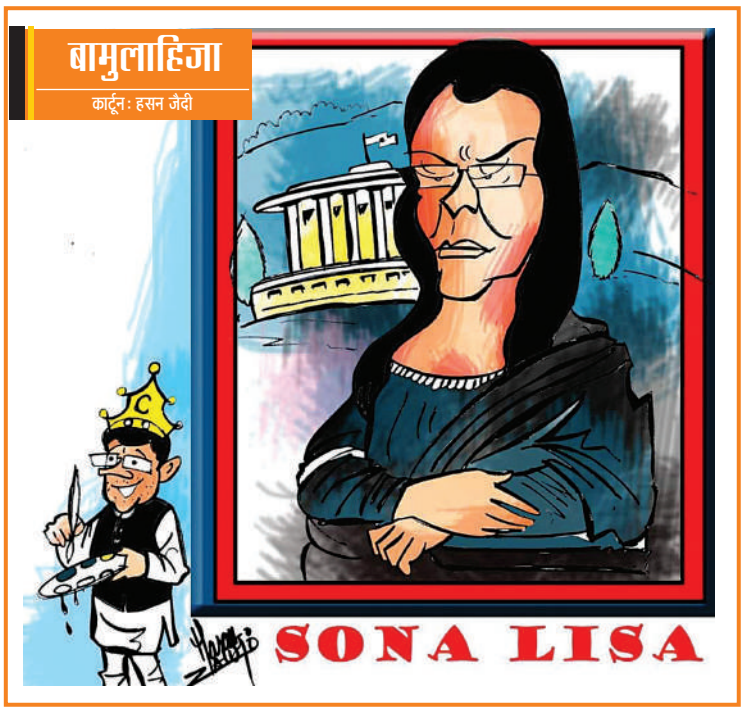

शरद ने भाजपा के 'मिशन 45' अभियान पर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पुणे। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष शरद पवार ने महाराष्ट्र में भाजपा के 2024 के लोकसभा अभियान की शुरुआत 'मिशन 45' के नारे को लेकर भाजपा प्रमुख जेपी नड्डा पर निशाना साधा। पवार ने कहा कि महाराष्ट्र में लोकसभा की 48 सीटें हैं, 45 नहीं। उन्होंने कटाक्ष करते हुए भाजपा प्रमुख को याद दिलाया कि उनकी पार्टी उनके गृह राज्य हिमाचल प्रदेश में विधानसभा चुनाव हार गई है।

पुणे जिले के बारामती में पवार ने कहा कि उन्हें मिशन 48 शुरू करना चाहिए था क्योंकि महाराष्ट्र में 48 लोकसभा सीटें हैं न कि 45। शरद पवार ने कहा कि वह अपनी पार्टी के अध्यक्ष हैं और पार्टी के पास उन्हें अध्यक्ष चुनने का अधिकार है, लेकिन राज्य और केंद्र में सत्ता में होने के बावजूद हिमाचल प्रदेश में चुनाव नहीं जीत सके। महाराष्ट्र में हिंदुत्व संगठनों द्वारा 'लव जिहाद' के खिलाफ कानून की मांग को लेकर निकाले जा रहे मार्च के बारे में पूछे जाने पर पवार ने कहा कि केंद्र और राज्य में भाजपा सत्ता में है। पवार ने कहा कि भाजपा कानून को लेकर निर्णय ले सकती हैं, इसका विरोध कौन कर रहा है?

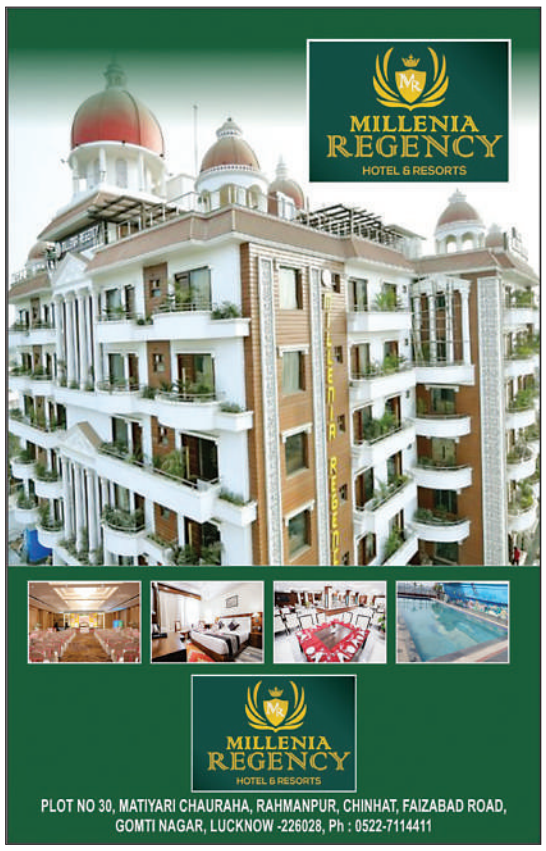

पिछड़ा-अति पिछड़ा के बहाने अपने हित साधने में जुटे राजनीतिक दल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश निकाय चुनाव में ओबीसी आरक्षण मामले पर हाई कोर्ट के फैसेल के बाद प्रदेश में पिछड़ा और अति पिछड़ा को लेकर राजनीति गर्म हो गई। एक ओर राज्य की प्रमुख विपक्षी दल समाजवादी पार्टी भाजपा पिछड़ा विरोधी बताकर लगातार हमलावर है, तो वहीं अब सूबे में हाशिये पर खड़ी बहुजन समाज पार्टी भी पिछड़े और अति पिछड़े के मुद्दे पर भाजपा पर हमले साध रही है।

इसके अलावा सुभासपा प्रमुख ओम प्रकाश राजभर भी इस मुद्दे के दम पर राज्य में अपनी राजनीति को चमकाने का प्रयास कर रहे हैं। ऐसे में ओबीसी आरक्षण से शुरू हुई लड़ाई अब पिछड़ा और अति पिछड़ा के सियासी जंग के बीच दब गई है। वहीं इस सबसे इतर भाजपा खुद को ओबीसी का हितैशी बताते हुए हाई कोर्ट के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट के दरवाजे पर पहुंच गई है। इस सबके बीच प्रदेश में होने वाले निकाय चुनाव दूर की बात हो गए हैं।

अखिलेश ने अपनाए आक्रामक तेवर

प्रदेश में ओबीसी के मुद्दे पर सबसे ज्यादा आक्रामक तेवर प्रमख विपक्षी दल समाजवादी पार्टी अपना रही है। मैनपुरी और खतौली उपचुनाव में मिली जीत के बाद अखिलेश यादव के हौसले काफी बुलंद हैं। अब इन्हीं बुलंद हौसलों के साथ अखिलेश प्रदेश में भाजपा को ओबीसी के मुद्दे पर पूरी तरह से घेरने का प्लान बना रहे हैं। इसके लिए सपा सोशल मीडिया से लेकर सड़क तक उतर रही है। हाई कोर्ट का फैसला आते ही बीजेपी के खिलाफ सपा ने मोर्चा खोल दिया था और योगी सरकार को ओबीसी विरोधी कठघरे में खड़ा कर रही थी। ओबीसी मुद्दे पर अखिलेश और उनकी पार्टी फ्रंटफुट पर खड़ी हुई नजर आ रही थी। अखिलेश यादव ओबीसी के साथ-साथ दलितों को भी सियासी संदेश दे रहे थे कि अभी ओबीसी का आरक्षण खत्म हुआ और आगे दलित आरक्षण भी समाप्त कर दिया जाएगा। इस तरह अखिलेश बीजेपी के खिलाफ ओबीसी-दलित समीकरण बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहे थे, जिसने बीजेपी ही नहीं बल्कि मायावती को भी बेचैन कर दिया था। ऐसे में मायावती ने बसपा नेताओं की फौरन बैठक बुलाकर बीजेपी-कांग्रेस के साथ सपा को भी कठघरे में खड़ा ही नहीं किया, बल्कि अतिपिछड़ी जातियों के साथ-साथ उन्हें दलित विरोधी भी बताने की कोशिश की।

मायावती ने भाजपा के साथ सपा को भी निशाने पर लिया

ओबीसी के मुद्दे पर समाजवादी पार्टी के आक्रामक रुख अख्तियार करने के बाद सूबे में सियासी वनवास झेल रहीं मायावती ने भी अपने तेवर कड़े कर दिए हैं, जिससे इस मुद्दे पर अब तक फ्रंटफुट पर नजर आ रही सपा को पीछे किया जा सके। मायावती हमेशा से खुद को अति पिछड़ों का सबसे बड़ा हितैशी बताती रही हैं, मगर इस बार ओबीसी के मुद्दे पर छिड़ी बहस के बाद सपा ने ओबीसी के साथ-साथ अति पिछड़ों को भी अपने खेमे में लेने का प्रयास किया है। जिससे मायावती की बेचैनी बढ़ गई है। इसी के चलते मायावती ने अब भाजपा के साथ-साथ सपा को भी घेरने का काम शुरू कर दिया है। मायावती ने सपा, कांग्रेस और भाजपा पर अतिपिछड़ों, पिछड़ों और अनुसूचित जाति/जनजाति को आरक्षण के हक से वंचित करने का आरोप लगाया है। बसपा प्रमुख ने कहा कि कांग्रेस ने केंद्र की सरकार में रहते हुए पिछड़े वर्ग को आरक्षण देने से संबंधित मंडल कमीशन की रिपोर्ट को लागू नहीं किया और साथ ही अनुसूचित जाति/जनजाति के आरक्षण को भी निष्प्रभावी बना दिया था। अब बीजेपी भी उसी राह पर चल रही है, जबकि सपा सरकार ने भी अति पिछड़ों को पूरा हक नहीं दिया।

राजभर ने भी विवाद में लगा दी छलांग

बसपा-सपा से इतर सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर भी पिछड़े और अति पिछड़े की राजनीति में कूद पड़े हैं। राजभर सपा को घेरते हुए खुद को सबसे बड़ा पिछड़े और अति पिछड़ों का हितैशा बताने में लगे हैं। सपा पर निशाना साधते हुए राजभर ने अति पिछड़ी जातियों को आरक्षण का लाभ देने से

वंचित करने का आरोप मढ़ा है। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव पिछड़ा वर्ग में बारी, शाक्य, सैनी, भर, राजभर, कहार, गोंड, बिंद जैसी वंचित जातियों को उनका हक देने से हमेशा बचते रहे। अब जब सियासी जमीन खिसक रही है तो पिछड़ों और दलितों के हितैषी बनने का ढोंग कर रहे हैं।

सपा-बसपा-सुभासपा की लड़ाई से भाजपा को राहत

सपा, बसपा और सुभासपा के ओबीसी मुद्दे पर कूदने के बाद अब भाजपा बिल्कुल शांत बैठी है और कहीं न कहीं राहत की सांस ले रही है। क्योंकि जिस तरह से सपा ने इस मुद्दे पर अपने तेवर दिखाने शुरू किए थे, वो भाजपा के लिए एक प्रमुख चुनौती बन सकते थे, मगर अब बसपा और सुभासपा के मैदान में कूदने के बाद भाजपा राहत की सांस ले रही है। वहीं चुनाव को टालने के लिए योगी सरकार ने सुप्रीम कोर्ट का रुख कर लिया है, ताकि ओबीसी आरक्षण के साथ निकाय चुनाव करा सके। दरअसल, बीजेपी सूबे में ओबीसी आरक्षण को तीन हिस्सों में बांटने के लिए लंबे समय से वक्त का इंतजार कर रही है, लेकिन सियासी मजबूरियों के चलते खामोश थी। मायावती और राजभर ने जिस तरह से अतिपिछड़ी जातियों के आरक्षण का मुद्दा उठाया है उसे लेकर अब उसके उसे अमलीजामा पहनाने का मौका मिल सकता है।

यूपी में आधे से अधिक आबादी ओबीसी वर्ग की

जिस ओबीसी वर्ग के लिए राज्य में सियासत गरमाई हुई है, उसकी एक वजह ये भी है कि प्रदेश की कुल आबादी की आधे से भी अधिक आबादी इस वर्ग से आती है। ऐसे में किसी भी चुनाव में ये वर्ग एक बड़ा फैक्टर साबित होता है। इसलिए सत्ता पक्ष से लेकर विपक्ष तक कोई भी राजनीतिक दल इस वर्ग को अपने पास से छिटकने नहीं देना चाहता है और जब इनके आरक्षण का मुद्दा सामने आया तो हर दल पूरे जोर-शोर के साथ खुद को इनका हितैशी बताने में जुट गया है। उत्तर प्रदेश की सियासत मंडल कमीशन के बाद ओबीसी समुदाय के इर्द-गिर्द सिमट गई है। सूबे की सभी पार्टियां ओबीसी को केंद्र में रखते हुए अपनी राजनीतिक एजेंडा सेट कर रही हैं। यूपी में सबसे बड़ा वोटबैंक पिछड़ा वर्ग का है। ओबीसी की 79 जातियां हैं, जिनमें सबसे ज्यादा यादव और दूसरे नंबर कुर्मी समुदाय की है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

तेरह के दर्द पर तेइस में मरहम

कन्याकुमारी से कश्मीर तक देश में भारत जोड़ो यात्रा निकाल रहे कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अपने पैदल चलने का मार्ग मुजफ्फरनगर की सीमा से सटे बागपत और शामली जिले से तय किया है। बड़ौत, ऐलम, कांधला और कैराना क्षेत्र दंगा प्रभावित इलाके के समीप है और यहां तक दंगे की आग की लपटे पहुंची थी। वहीं, लोनी क्षेत्र दिल्ली दंगों की जद में आया था। इस लिहाज से इस क्षेत्र में भाईचारे के बढ़ावे को भारत जोड़ो यात्रा का आना सौहार्द की बड़ी मुहिम है।

मुजफ्फरनगर उत्तर प्रदेश का वह जिला है जहां से साम्प्रदायिक दंगा भड़का और इसकी चिंगारी दूसरी जगहों पर भी सुलगी। इस वीभत्स घटना ने हिंदुस्तान के सामाजिक ताने-बाने पर गहरी चोट की थी और देश की दो आंखे कहलाने वाले हिंदू और मुसलमान के बीच इससे पड़ी दरारें खाई में तब्दील होती चली गई। सियासत ही नहीं हर लिहाज से इसका बड़ा लाभ आज के सत्तारूढ़ दल ने खूब लिया। राजनीतिक पंडित मानते हैं कि इस घटना को मुद्दा बनाकर ही भाजपा केंद्र और प्रदेश दोनों स्थानों पर बड़ा जनादेश पाकर सरकार में आई। वहीं, इसके विपरीत दूसरे दलों ने दंगे का बड़ा खामियाजा भुगता और अगले ही चुनाव में कांग्रेस की देश तथा सपा की राज्य से सत्ता चली गई। जिसके बाद अपनी खोई जमीन को विपक्षी दल आज तक वापस नहीं पा सके हैं। इतना ही नहीं भाजपा को छोड़ बाकी दलों की जनता के बीच छवि को भी बट्टा लगा। इसकी पुष्टि चुनावों के परिणाम खुद में करते रहे हैं।

दरअसल, ऐसा नहीं है कि देश में मुजफ्फरनगर के अलावा और साम्प्रदायिक दंगा फैलने की घटना नहीं हुई हैं। हुई हैं, मगर इसकी बात आज हम इसलिए कर रहे हैं क्योंकि दंगे के इस काले अध्याय को देश के इतिहास से जुड़े करीब एक दशक हो गया है। सन 2013 में सुलझी हल्की सी चिंगारी आग के शोलों में बदल गई थी। सैकड़ों की संख्या में लोगों की इसमें जान चली गई थीं और जनता का माल का भी बड़ा नुकसान हुआ था। लाखों लोग घरों से बेघर हो गए थे और विस्थापित परिवारों को टैंट में रहना पड़ा था। जिसमें बच्चे-बूढे,जवान और महिलाएं भी शामिल थीं। दस बरस बीतने के बाद भी आज तक पहले जैसी स्थिति में दंगे के पीड़ित परिवार नहीं आ पाए हैं। इससे देश में सामाजिक सौहार्द को हुए नुकसान की भरपाई भी नहीं हो पायी है। हालांकि स्वर्गीय चौधरी अजित सिंह ने भाईचारे की अखल जगाई थी जिसको आज उनके बेटे जयंत चौधरी भी आगे बढ़ा रहे हैं, मगर कुछ बदलाव तो हुआ है, लेकिन पहले जैसे फिजा नहीं बन पायी। कन्याकुमारी से कश्मीर तक देश में भारत जोड़ो यात्रा निकाल रहे कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अपने पैदल चलने का मार्ग मुजफ्फरनगर की सीमा से सटे बागपत और शामली जिले से तय किया है। बड़ौत, ऐलम, कांधला और कैराना क्षेत्र दंगा प्रभावित इलाके के समीप है और यहां तक दंगे की आग की लपटे पहुंची थी। वहीं, लोनी क्षेत्र दिल्ली दंगों की जद में आया था। इस लिहाज से इस क्षेत्र में भाईचारे के बढ़ावे को भारत जोड़ो यात्रा का आना सौहार्द की बड़ी मुहिम है। यहां रैलियां और पंचायतें तो खूब हुई हैं, मगर बड़ा संदेश देने वाली यात्रा पहली बार आ रही है, जो दिलों के बीच बनी खाई को पाटने का काम देशभर में कर रही है। राहुल गांधी का संदेश भी इस यात्रा में साफ है कि नफरत को मोहब्बत से जीतना है और यह यात्रा इस क्षेत्र में तेरह के दर्द पर तेइस में मरहम से कम नहीं होगी।

संजय

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

नुकसान वसूली के लिए बने राष्ट्रीय कानून

योगेन्द्र योगी

उत्तर प्रदेश के अमरोहा में सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने पर उत्तर प्रदेश लोक-निजी संपत्ति क्षति वसूली दावा न्यायाधिकरण मेरठ ने दंगों के मामले में 86 लोगों को सजा दी है। प्राधिकरण ने नागरिकता संशोधन विधेयक (सीएए) के विरोध प्रदर्शन के दौरान सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के मामले में 4.27 लाख रुपये के मुआवजे का भुगतान करने का आदेश दिया। प्रत्येक व्यक्ति से 4971 रुपये जुर्माना वसूला जाएगा। देश में यह पहला मामला है जब कानूनी तौर पर सम्पत्ति की तोड़फोड़ के आरोपियों को आर्थिक रूप से दंडित किया गया। इससे संदेश गया है कि निजी और सार्वजनिक सम्पत्ति कोई खैरात की नहीं है। इसके नुकसान के बाद अब भरपाई से बचा नहीं जा सकता।

गत वर्ष 23 सितंबर को उत्तर प्रदेश लोक और निजी संपत्ति क्षति वसूली (संशोधन) विधेयक, 2022 पारित किया गया था। इस कानून के तहत गठित प्राधिकरण को सिविल कोर्ट की शक्ति प्रदान की गई। इसका फैसला आखिरी होगा और उसके खिलाफ किसी भी कोर्ट में अपील नहीं की जा सकेगी। इससे पहले उ.प्र. सरकार ने सीएए के विरोध प्रदर्शन के दौरान निजी-सार्वजनिक सम्पत्ति को नुकसान पहुंचाने पर 274 आरोपियों से करोड़ों की वसूली की थी। इसके विरोध में सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर करने पर कोर्ट ने इसे गैर-कानूनी बताते हुए उ.प्र. सरकार को आरोपियों से वसूली राशि वापस करने के आदेश दिए थे। कोर्ट ने उ.प्र. सरकार को राहत देते हुए प्राधिकरण के जरिये कार्रवाई करने का अधिकार दिया। पहले भी देश में सार्वजनिक सम्पत्ति को नुकसान पहुंचाने के आरोपियों को सजा देने के लिए केंद्र सरकार ने साल 1984 में लोक संपत्ति नुकसान निवारण अधिनियम बनाया था, किंतु इस कानून में आरोपियों से नुकसान वसूली का प्रावधान नहीं था।

दरअसल, राजनीतिक और गैर राजनीतिक आंदोलनों के दौरान देश ने इसकी भारी कीमत चुकाई। राजनीतिक दल एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगाते रहे हैं। इससे तोड़फोड़ करने वाले आरोपियों को कानून का खौफ नहीं रहा। गौरतलब है कि अग्निपथ योजना के विरोध में प्रदर्शनों में रेलवे की जितनी संपत्ति फूंक दी, उतनी संपत्ति का नुकसान रेलवे को एक दशक में भी नहीं हुआ।

इस आंदोलन में रेलवे की करीब एक हजार करोड़ की सम्पत्ति का नुकसान हुआ था। ग्लोबल पीस इंडेक्स की 2022 की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत को आंदोलनों के दौरान पिछले साल

करीब 50 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक देश में सीएए और एनआरसी के आंदोलन में हिंसक घटनाओं में बड़े पैमाने पर आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा। इस रिपोर्ट में सैन्य भर्ती के लिए बनाई अग्निपथ योजना के दौरान हुआ भारी नुकसान शामिल नहीं है। ग्लोबल पीस इंडेक्स के मुताबिक, हिंसा के कारण देश को जो नुकसान झेलना पड़ा है वह भारत के कुल जीडीपी का 6 प्रतिशत है। इन आंकड़ों के सामने आने के बाद भी लोगों की आंखें नहीं खुल रही हैं। इन पैसों से देश के लिए कई तरह की कल्याणकारी योजनाएं संचालित हो सकती थीं। किसान आंदोलन, सीएए, एनआरसी, आदि प्रदर्शनों और हिंसा की घटनाओं के कारण देश को आर्थिक तौर पर कड़ी चोट पहुंची। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने पिछले कुछ वर्षों में, संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वाले हिंसक विरोध प्रदर्शनों में शामिल संगठनों के नेताओं पर मुकदमा चलाने, ऐसी घटनाओं पर उच्च न्यायालयों से स्वत: संज्ञान लेने और पीड़ितों को मुआवजा देने जैसे कई अहम निर्देश दे रखे हैं। शीर्ष अदालत ने अधिकारियों से उन लोगों पर जवाबदेही तय करने को कहा है जो सार्वजनिक और निजी संपत्ति को नुकसान पहुंचाते हैं। न्यायालय ने 16 अप्रैल, 2009 को न्यायमूर्ति केटी थॉमस, शीर्ष अदालत के सेवानिवृत्त न्यायाधीश एफएस नरीमन के नेतृत्व वाली दो समितियों की सिफारिशों पर ध्यान दिया।

साथ ही कहा कि सुझाव अत्यंत महत्वपूर्ण हैं तथा वे पर्याप्त दिशा-निर्देश देने वाले हैं जिन्हें अपनाए जाने की जरूरत है। शीर्ष अदालत ने नरीमन समिति की सिफारिशों को स्वीकार कर लिया था जिनमें कहा गया था कि 'जहां भी विरोध या उसके कारण संपत्ति का सामूहिक नुकसान हो, उच्च न्यायालय स्वत: संज्ञान लेकर कार्रवाई जारी कर सकता है और नुकसान की जांच के लिए मशीनरी स्थापित कर सकता है तथा मुआवजे का निर्देश दे सकता है।' राजनीतिक दलों के नेता भी तोड़फोड़ करने, निजी और सार्वजनिक सम्पत्ति का नुकसान करने में पीछे नहीं। लोगों को भी यह समझना होगा कि आखिर स्वतंत्रता का अर्थ क्या है? वे राष्ट्रहित के मद्देनजर सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान नहीं पहुंचाएं। सम्पत्तियों की तोड़फोड़ से नुकसान की वसूली के मामले में केंद्र सरकार को भी उत्तर प्रदेश जैसा वसूली का कानून बनाना चाहिए। हिंसा-तोड़फोड़ के आरोपियों पर दर्ज मुकदमे वापस नहीं लिए जाने का भी नया कानून बनना चाहिए।

हमें नहीं भूलनी चाहिए अकर्मण्यता की कीमत

गुरबचन जगत

पंजाब के उपलब्ध आंकड़ों पर सरसरी निगाह आपको बताने को काफी है कि कभी समृद्ध रहे इस सूबे की अधोगति कितनी रही। 1960-70 और 1980 के दशक के आरंभिक सालों तक भी, सकल घरेलू उत्पाद और प्रति व्यक्ति आय सूची में पंजाब अव्वल रहा, पर आज निचले पायदानों पर है। यह 'उपलब्धि' हमारे नेताओं ने कैसे प्राप्त की और वह भी ऐसे वक्त पर, जब बाकी सूबे आर्थिक उदारवाद के बाद आगे बढ़ रहे थे? पंजाब का आर्थिक पतन दो दशकों की छोटी अवधि में अधिक हुआ, जब केंद्र सरकार ने राष्ट्रपति शासन के अधीन राजकाज चलाया और फिर हालात सामान्य होने पर चुनी हुई सरकारों ने। इस पूरी अवधि में कांग्रेस और अकाली-भाजपा गठबंधन सत्तारूढ़ रहा।

इस 'उपलब्धि' का श्रेय यह तीनों ले सकते हैं। मौजूदा सरकार के सत्तासीन होने के पीछे बड़ा कारक प्रभावशाली किसान आंदोलन रहा। यह प्रतिष्ठान को नकारकर, बदलाव के पक्ष में मतदान करने का प्रेरक बना। पंजाब की अधोगति के लिए बहुत से कारक हैं, कुछ स्व-निर्मित, कुछ जो सशस्त्र आंदोलन के दौरान विदेशी ताकतों की शह से बने। कह सकते हैं कि अतिवादियों के उद्भव के बाद उदारवादी राजनेता हाशिये पर चले गए और तार्किक आवाजों के बंद होने के बाद शून्यता बनी और आम आदमी के मानस में भी मोह-भंग भरने लगा था। सरकारों का प्रतिकर्म बेहद सख्ती वाला रहा और इसका सीधा असर पड़ा प्रत्येक लोक कल्याण पहलू पर, चाहे यह स्वास्थ्य-शिक्षा हो या प्रति व्यक्ति आय आदि। ठीक इसी दौरान, समांतर घटनाक्रम में श्रमिक संगठनों की गतिविधियों में ह्रास हुआ। यूके, यूरोप और कुछ हद तक अमेरिका में श्रमिक संघ वर्तमान में भी सक्रिय हैं। यूके में आज की तारीख में रेलवे, परिवहन, नर्सिंग, आव्रजन स्टाफ समय-समय पर हड़तालें करते हैं जिससे सेवाओं में भारी बाधा आती है। लेकिन जनता में इनको लेकर रोष नहीं हैं क्योंकि श्रमिक संगठन की संरचना आम लोगों से है और वे उनकी शिकायतों को परिलक्षित करते हैं।

कर्मियों की जागरूकता से यूनियनें बनती हैं। जिससे कामगारों का सरकारों से और बड़े औद्योगिक प्रतिष्ठानों से राब्ता बना रहता है। लेकिन भारत में पिछले कुछ वक्त से श्रमिक संघों की गतिविधियों में बहुत कमी आई है। पहले, लगभग हर राजनीतिक दल का अपना एक अलग प्रकोष्ठ था, जैसे कि किसान, छात्र, शिक्षक, बैंककर्मी, रेलवे और परिवहन कामगार संघ आदि। सच तो यह है कि 1960-70 के दशक में पुलिस का ज्यादा काम अनेकानेक यूनियनों के आंदोलनों का सामना करने का हुआ करता था। यूनियनों के बीच अपनी गतिविधियों को ज्यादा प्रखर दिखाने की होड़ हुआ करती थी, क्योंकि अधिकांश का संबंध अलग-अलग राजनीतिक दलों से था। आम आदमी को दरपेश मुश्किलों को अभिव्यक्ति देने में श्रमिक संगठन एक जरिया बनते थे और इन्हें सरकार तक पहुंचा पाते थे। हालांकि यह कहना भी सही है कि सभी यूनियन गतिविधियां पवित्र उद्देश्य से नहीं थीं। आज लोग इंटरनेट के जरिए अपनी समस्याओं और सरकार की भूमिका को लेकर ज्यादा जागरूक हैं।

उन्हें कॉर्पोरेट जगत की मजबूत होती जकड़, ठहर चुकी अर्थव्यवस्था, मुद्रास्फीति आदि के बारे में पता है। लेकिन तगड़े श्रमिक संघ की अनुपस्थिति, मीडिया एवं राजनीतिक दलों की इस ओर रुचि न होने से सरकारों को संगठित विरोध का सामना नहीं करना पड़ रहा। इस बेचारगी ने लोगों के पास यही चारा छोड़ा कि झंडा खुद बुलंद करें। इसका नज़ारा हमें दिल्ली के प्रवेश द्वारों पर चले किसान आंदोलन में देखने को मिला। वहां अनेकानेक किसान संगठन थे, अपने-अपने इलाके में सक्रिय किंतु विचारधारा से बंटे हुए। केंद्र सरकार द्वारा थोपे अनुचित कृषि कानूनों ने किसानों को आक्रोशित किया। तमाम राजनीतिक दल उनका मुद्दा उठाने में विफल रहे और या तो उन्होंने चुप रहना चुना या निर्लिप्त रहना। एक बार दिल्ली कूच शुरू हुआ तो यह प्रदर्शन का एक दरिया बन गया और आगे चलकर सैलाब का रूप धर लिया, लगभग एक मिशन सरीखा। लोगों की जागरूकता और दमित पड़े भावनात्मक उबाल के बाहर निकलने ने सबको चौंका डाला, यहां तक कि आपस में बंटे हुए किसान संगठनों को एका करने पर मजबूर होना पड़ा और एक 'साझा मोर्चा' उभरकर आया।

मूल मुद्दा उनके निजी अहम से ऊपर हो गया और लोगों ने भी उनपर पैनी नज़र बनाए रखी। चरमपंथियों द्वारा मोर्चे का अपहरण किए जाने के यत्न भी हुए, लेकिन तमाम ऐसे प्रयास सफलतापूर्वक विफल कर दिए गए। गर्मी, मानसून और ठंड में भी किसान अड़े रहे, जरा झुकने को तैयार नहीं। चूंकि वे जागरूक थे, जानकार भी, यहां तक कि राजनीतिक मदद बगैर सफल हो पाए। पंजाब में चुनाव आ गए, भितरघात शुरू हुआ और आपसी एकता जाती रही। हालांकि लोगों ने अपने मानस में एक के सिवा तमाम दलों को नकारकर झाड़ू फेरने का मंसूबा बना लिया था। एक नई जागरूकता की उम्मीद जगी। वादों और कारगुजारी के बीच सदा अंतराल रहा है, किसान इसको समझ चुके हैं, शहरी गरीब भी यह जान चुका है। सब्र और सहनशक्ति की खूबी उसके खून में है। लेकिन जब हल वाकई न निकलता दिखे तो समस्या वहीं है, वह जो हो सकता है मेरे-आपके लिए छोटी हो पर भुक्तभोगियों के लिए उतनी नहीं। उन्हें तो हल चाहिए, न कि कमेटियां। सरकार की कारगुजारी और राजनीतिक मदद की अनुपस्थिति वाली यह स्थिति स्थानीय लोगों को खुद ही कुछ कर गुजरने को आमादा करती है।

अगर आप खुद को सर्दियों में स्वस्थ रखना चाहते हैं तो अखरोट खाना आपके लिए फायदेमंद हो सकता है।

सर्दियों में अखरोट को कच्चा खाने की बजाए अगर भिगोकर खाया जाए, तो इसका फायदा और बढ़ जाता है। इसके लिए रात में 2 अखरोट को भिगोकर रख दें और सुबह के समय खाली पेट इसे खा लें। भीगे हुए अखरोट खाना भी भीगे हुए बादाम खाने के बराबर ही होता है। भीगा हुआ अखरोट कई बीमारियों से निजात दिलाने में मदद करता है। अगर आप ब्लड शुगर और डायबिटीज से बचना चाहते हैं, तो भीगे हुए अखरोट खाना आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकता है। कई सारे शोध में यह बात सामने आई है कि जो लोग रोजाना 2 से 3 अखरोट का सेवन करते हैं, उनमें टाइप-2 डायबिटीज होने का खतरा कम हो जाता है। अखरोट ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करने में मदद करता है जिससे डायबिटीज का खतरा कम हो जाता है।

सर्दियों में खाली पेट खाएं भीगे हुए अखरोट

पाचन प्रणाली को दुरुस्त रखता है अखरोट

सर्दियों में आपको अपने सेहत का खास ख्याल रखना चाहिए। अखरोट खाने के एक नहीं कई फायदे हैं। इसमें विटामीन-ई ,फाइबर, और प्रोटीन से भरपूर होता है। इसकी तासीर गर्म होने के कारण ये सर्दियों में काफी लाभदायक साबित होता है। यह पाचन प्रणाली को दुरुस्त रखता है। पेट सही रखने और कब्ज से बचने के लिए फाइबर युक्त चीजें खाना बहुत जरूरी है। ऐसे में अगर आप रोजाना अखरोट का सेवन करते हैं, तो आपका पेट भी सही रहेगा और कब्ज भी नहीं होगा। अखरोट में ओमेगा-3 फैटी एसिड पाया जाता है, जो शरीर में रक्त को जमने से रोकता है और दिल को स्वस्थ रखने में मदद करता है।

कैंसर के खतरे को करता है कम

कैंसर जैसी घातक समस्या को दूर रखने में अखरोट फायदेमंद साबित हो सकता है। अखरोट में पोलीफिनोल पाया जाता है, जो कैंसर के खतरे को कम करता है। एंटीकैंसर प्रभाव के कारण यह कैंसर के ट्यूमर को पनपने से रोक सकता है। वहीं, अगर कोई कैंसर से पीड़ित है, तो उसे डॉक्टर से उचित इलाज करवाना चाहिए।

त्वचा के लिए लाभकारी

अखरोट में मौजूद विटामिन-बी स्किन के लिए काफी फायदेमंद होता है। यह त्वचा की झुर्रियों से छुटकारा दिलाता है। गर्भवती महिलाओं के लिए अखरोट का सेवन काफी फायदेमंद है। इसे खाने से मां और बच्चे दोनोंल ही हेल्दी होते हैं। अखरोट में मौजूद बी-कॉम्प्लेक्स गर्भवती महिलाओं के लिए काफी आवश्यक है।

याददाश्त को बढ़ाता और हड्डियों को करता है मजबूत

अखरोट आपके दिमाग के लिए काफी फायदेमंद होता है। इसमें मौजूद ओमेगा-3 फैटी एसिड मस्तिष्क के लिए काफी लाभदायक है। यह याददाश्त बढ़ाने में मददगार है। अगर आपको तनाव की समस्या हो, तो अखरोट नियमित रूप से खाएं, इससे आपको फायदा मिलेगा। साथ ही पोलीअनसैचुरेटेड फैट यादाश्त को बढ़ाने में मदद करता है व डिप्रेशन को कम करता है। अखरोट को हड्डियों के लिए भी फायदेमंद बताया गया है। यह आपकी हड्डियों और दांतों को मजबूत बना सकता है। अखरोट में अल्फा-लिनोलेनिक ऐसिड पाया जाता है जो हड्डियों को मजबूत करने में मदद करता है। इसके अलावा, अखरोट में कैल्शियम और फास्फोरस भी पाया जाता है, जो हड्डियों में ऑस्टियोपोरोसिस होने से रोकता है, साथ ही कॉपर बोन मिनरल डेनसिटी को बनाए रखता है।

हंसना मना है

पत्नी: कुछ साल पहले मेरा फिगर पेप्सी की बोतल की तरह था, पति: वो तो अब भी है बस, पहले बोतल 300 रु. की थी अब 2 लीटर की है।

बाप: मेरे 4 बच्चे है, पहिला एमबीए, दूसरा एमसीए, तीसरा पीएचडी, चौथा चोर है। फ्रेंड: चोर को घर से निकालते क्यू नहीं? बाप: वही तो कमाता है, बाकी सब बेरोजगार है।

संता: यार मुन्नू, पत्नी को बेगम क्यों कहा जाता है? बंता: क्या है की शादी के बाद, सारे गम पति के हो जाते है। तो पत्नी बेगम हो जाती है।

बुढ़िया का दामाद बहुत काला था, सास: दामाद जी आप तो 1 महीना यहां रुको, दूध, दही खाओ मौज करो, आराम से रहो यहां, दामाद: अरे वाह सासु मां आज तो बड़ा प्यार आ रहा है मुझ पे, सास: अरे प्यार व्यार कुछ नहीं कलमुहे, वो हमारी भैंस का बच्चा मर गया है, कम से कम तुम्हें देख कर दूध तो देती रहेगी।

संता: पापा आज मेरी गर्लफ्रेंड का बर्थडे है, उसे क्या दू? पापा: दिखने मे कैसी है? संता: मस्त है। पापा: मेरा मोबाइल नंबर दे दे!

कहानी — उम्र बढ़ाने वाला पेड़

एक समय की बात है जब तुर्किस्तान के बादशाह को अकबर की बुद्धिमत्ता की परीक्षा लेने की सूझी। बादशाह ने अपने दूत को संदेश पत्र देकर दिल्ली रवाना किया। बादशाह ने पत्र में लिखा था 'मुझे सुनने में आया है कि भारत में ऐसा पेड़ है, जिसके पत्ते को खाकर इंसान की आयु बढ़ाने में मदद मिल सकती है। अगर यह बात सच है, तो मेरे लिए उस पेड़ के कुछ पत्ते जरूर भेजे।' जब अकबर ने उस पत्र को पढ़ा, तो वह सोच में पड़ गए। अकबर ने बीरबल की सलाह पर अकबर ने तुर्किस्तान से आए दूत को कैद करने का आदेश दिया। कैदखाने में कैद दूत से कई दिन बाद अकबर और बीरबल मिलने गए। बादशाह अकबर जब उनके पास पहुंचे, तो उन्होंने दूत से कहा 'जब तक इस किले की एक-दो ईंट गिर नहीं जाती, तब तक आप लोगों को आजाद नहीं करेंगे। इतना कहकर बादशाह अकबर और बीरबल वहां से चले गए। उनके जाने के बाद दूत कैद से निकलने के लिए उपाय सोचने लगे। फिर वे भगवान से प्रार्थना करने लगे। कुछ दिनों बाद अचानक तेज भूकंप आया और भूकंप के कारण किले का एक भाग टूटकर गिर गया। यह खबर सुनते ही अकबर को अपना वादा याद आया और उन्होंने दूत दरबार में प्रस्तुत होने का आदेश दिया। अकबर बोले 'अब तो आप सबको अपने बादशाह के द्वारा भेजे गए पत्र का उत्तर मिल गया होगा। तुम सिर्फ 100 लोग हो और तुम्हारी आह सुनकर किले का एक हिस्सा गिर गया, तो सोचो जिस देश में हजारों लोगों पर अत्याचार होते हैं, उस देश के बादशाह की आयु कैसे बढ़ेगी। लोगों की आह से उसका पतन तो निश्चित है। हमारे भारत देश में किसी गरीब पर अत्याचार नहीं होता। यही होता है आयुवर्धक वृक्ष।' उसके कुछ दिन बाद बादशाह ने दूत को उनके देश भेज दिया। दूत ने तुर्किस्तान पहुंचकर भारत में घटित सारी बात विस्तार से बादशाह को बताए। अकबर-बीरबल की बुद्धिमत्ता देखकर तुर्किस्तान के बादशाह ने दरबार में उनकी बहुत प्रशंसा की।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — आज सेहत पहले से ज्यादा अच्छी रहेगी। पार्टनर को आपकी मदद से फायदा हो सकता है। प्रेमी से कोई गिफ्ट मिल सकता है। सबका सम्मान करें। गरीब कन्या को वस्त्र दान करें।

वृषभ — आपका विश्वास और उम्मीद आपकी इच्छाओं व आशाओं के लिए नए दरवाजे खोल सकती हैं। प्राप्त हुआ धन आपकी उम्मीद के मुताबिक खर्च नहीं होगा।

मिथुन — अपने कॉन्टैक्ट मजबूत करने का समय है। आज शांत रहें। अपने तन और मन पर ध्यान दें। जहां तक हो सके व्यावहारिक रहें। इससे आपको फायदा हो सकता है।

कर्क — आज आपका घर और संपति से जुड़े कार्यों में संभलकर चलने की सलाह है। आपकी मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। नए काम या जिम्मेदारियां मिलने की संभावनाएं हैं।

सिंह — लाभ लेने के लिए बड़ों को अपनी अतिरिक्त ऊर्जा का सकारात्मक उपयोग करना चाहिए। आप अच्छा पैसा बना सकते हैं, बशर्ते आप पारंपरिक तौर पर निवेश करें।

कन्या — किसी नए काम की शुरूआत हो सकती है। ऐसा भी हो सकता है कि पुराने रुके काम फिर से शुरू हो जाएं। ऑफिस में आपको एक्स्ट्रा जिम्मेदारी मिल सकती है।

तुला — आज आपको नये लोगों से थोड़ा संभलकर रहना चाहिए। किसी भी काम में बड़ों की सलाह लेना बेहतर होगा। पढ़ाई के प्रति आपकी एकाग्रता में कुछ कमी आ सकती है।

वृश्चिक — आज माता-पिता की मदद से आर्थिक तंगी से बाहर निकलने में क़ामयाब रहेंगे। आप दूसरों को ठेस पहुंचाने जैसी बातों से दूर रहें, अन्यथा रिश्ते में खटास आ सकती हैं।

धनु — आपका व्यक्तित्व आज इत्र की तरह महकेगा और सबको आकर्षित करेगा। भागीदारी वाले व्यवसायों और चालाकी भरी आर्थिक योजनाओं में निवेश न करें।

मकर — कुछ रोचक और नए अवसर आज आपको मिल सकते हैं। आपकी ही राशि में चंद्रमा रहेगा। नई शुरुआत करनी होगी। आत्मविश्वास से काम करें। नकारात्मक विचारों पर ध्यान न दें।

कुम्भ — आज आप लोगों को अपनी योजनाओं से सहमत कर लेंगे। आपको सबका पूरा साथ मिलेगा। ऑफिस में सीनियर्स आपके काम को देखकर खुश होंगे।

मीन — आज कारोबार में वृद्धि के योग बन रहे हैं जिससे आपको खूब धन लाभ होगा। रोजगार के नए अवसर मिलेंगे। लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए आपको कठिन परिश्रम करना होगा।

बॉलीवुड | उपलब्धि

अनुपम ने साइन की अपने करियर की 534वीं फिल्म

अनुपम खेर को सभी बेहतरीन अदाकारी और बेबाकपन की वजह से जानते हैं। 80 के दशक में बतौर विलेन अपने करियर की शुरुआत करने वाले अनुपम खेर ने कॉमिक, सीरियस, रोमांटिक हर किरदार को पर्दे पर बखूबी उतारा है। ऐसे में अनुपम खेर ने अपने करियर की 534वीं फिल्म भी साइन कर ली है और नया रिकॉर्ड बनाया है। विवेक अग्निहोत्री के साथ एक बार फिर हाथ मिला अनुपम खेर ने द वैक्सीन वॉर के लिए हामी भर दी है। 500 से ज्यादा फिल्मों में काम करके अनुपम खेर दिग्गज कलाकारों की लिस्ट में शामिल हो गए हैं। भारत में 500 से ज्यादा फिल्में करने वाली लिस्ट में ललिता पवार और शक्ति कपूर का नाम है। 534वीं फिल्म के साथ अनुपम खेर ने तीसरा पायदान हासिल कर लिया है। कोविड के दौरान वैक्सीन बनाने की कहानी को विवेक अग्निहोत्री पर्दे पर लेकर आने वाले हैं। फिल्म में अनुपम खेर मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। इसकी जानकारी खुद अनुपम खेर ने अपने इंस्टा हैंडल से दे दी है। अनुपम खेर ने कैप्शन में लिखा कि मैं अपने करियर की 534वीं फिल्म की घोषणा कर रहा हूं। फिल्म दे वैक्सीन वॉर को विवेक अग्निहोत्री डायरेक्ट कर रहे हैं। अनुपम खेर आगे लिखते हैं कि ये बहुत प्रेरणादायक और आकर्षक है जय हिंद। अनुपम खेर के अलावा इस फिल्म में नाना पाटेकर की एक्टिंग भी देखने को मिलेगी। विवेक अग्निहोत्री एक बार फिर फिल्म से लोगों को एक बहुत बड़ा मैसेज पहुंचाना चाहते हैं। द कश्मीर फाइल्स के बाद उनका ये दूसरा बड़ा प्रोजेक्ट होगा।

ट्रोलर्स को सामंथा रुथ प्रभु का जवाब

महिलाएं गिरने के लिए उड़ती हैं

बॉलीवुड | मसाला

सामंथा रुथ प्रभु सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और बेबाकी से ट्रोल्स को जवाब भी देती हैं। हाल ही में सामंथा ने अपने जवाब से ट्रोल्स की बोलती बंद कर दी और उनका ये रिएक्शन सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। सोमवार को सामंथा ने एक फोटो पर रिएक्ट किया जो किसी एक यूजर ने शेयर की थी। ये तस्वीर चेन्नई के प्रसिद्ध थिएटर वेट्री की दीवारों पर लगे सभी फिल्म पोस्टरों की है जिसमें सभी फीमेल लीड्स नजर आ रही हैं। एक यूजर ने लिखा, क्रीमपेट में वेट्री थिएटर के पास से गुजरते हुए, मेरी बहन और मैंने महसूस किया कि इसमें महिला प्रधान वाली सभी फिल्मों के बैनर थे। तमिल सिनेमा कितना लंबा सफर तय कर चुका है! 10 साल पहले यह अकल्पनीय होता। दीपन का ट्वीट वायरल हो गया और सामंथा रुथ प्रभु सहित कुछ हाई-प्रोफाइल हस्तियों की प्रतिक्रियाएं आईं। इस पर सामंथा ने लिखा, महिलाएं उठ रही हैं !! एक्ट्रेस के इस ट्वीट पर एक अन्य ट्विटर यूजर ने उनका जवाब देते हुए कहा, हां। बस गिरने के लिए। इस पर समांथा ने ट्रोल को जवाब दिया, वापस उठना इसे और अधिका मीठा बना देता है मेरे दोस्त।

वायरल तस्वीर में ऐश्वर्या राजेश की ड्राइवर जमुना, नयनतारा की कनेक्ट, तृषा की रंगी और कोवई सरला की सेम्बी के बोर्ड पर छाए हुए हैं। तस्वीर तमिल सिनेमा में महिला केंद्रित फिल्मों की बढ़ती संख्या की ओर इशारा करती है। अतीत में, एक महिला अभिनेता को एक फिल्म की टॉपलाइनिंग करना मुश्किल माना जाता था। एक महिला केंद्रित फिल्म अब जोखिम नहीं बल्कि एक लाभदायक उपक्रम मानी जाती है। कनेक्ट के प्रमोशन में नयनतारा ने बदलते समय पर अपनी प्रतिक्रिया दी थी। उन्होंने कहा, कई महिला केंद्रित फिल्में हैं। ऐसे कई निर्माता हैं जो ऐसी फिल्में बनाने के इच्छुक हैं। यह बदलाव अपने आप में अच्छा है।

तारा का कपूर खानदान की बहू बनने का सपना टूटा

तारा सुतारिया ने बहुत कम वक्त में ही इंडस्ट्री और दर्शकों के बीच अपने लिए एक खास पहचान बना ली है। तारा बेशक आज किसी परिचय की मोहताज नहीं रह गई हैं, लेकिन उनकी एक्टिंग को खास पसंद नहीं किया गया है। तारा अपनी फिल्मों से ज्यादा लव लाइफ और बोल्डनेस की वजह से चर्चा में रहती हैं। पिछले काफी समय से एक्ट्रेस कपूर खानदान के चिराग और रणबीर कपूर के कजिन आदर जैन को डेट कर रही हैं। हालांकि, अब खबर आई है कि दोनों का ये रिश्ता टूट गया है। हाल ही में आई मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, तारा और आदर ने आपसी सहमति से एक दूसरे से अलग होने का फैसला कर लिया है। कहा जा रहा है कि ब्रेकअप के बाद भी दोनों अच्छे दोस्त जरूर बने रहेंगे। फिलहाल इन खबरों को लेकर दोनों में से किसी ने भी आधिकारिक तौर पर पुष्टि की है, लेकिन इस खबर ने कपल के फैंस को निराश जरूर कर दिया है।

अजब-गजब | रोमानिया के तानाशाह को थी ऐसी आदत

हाथ मिलाने के बाद शराब से करता था साफ

पूरी दुनिया में कई तानाशाह पैदा हुए हैं जो अपनी सनक और तानाशाही के लिए आज भी जाने जाते हैं। इनमें से कुछ तानाशाह तो ऐसे भी हुए हैं जिन्हें किसी एक सनक के लिए काफी प्रसिद्ध हुए हैं। इन्हीं में ऐसे एक तानाशाह है रोमानिया का। जिसे किसी के साथ मिलाने के बाद शराब से हाथ धोने की आदत थी। निकोलय चाचेस्कू नाम का ये तानाशाह 25 साल तक रोमानिया पर राज करता रहा। चाचेस्कू के डर से लोग न बोलते थे और ना ही मीडिया उसके खिलाफ कुछ लिख पाती थी। उसने अपना इतिहास बनाने की कोशिश तो की, लेकिन आज रोमानिया का इतिहास ही उसके पसंद नहीं करता।

ऐसा कहा जाता है कि 60-70 के दशक में चाचेस्कू ने आम लोगों की भी निगरानी में अपनी खुफिया पुलिस लगी रखी थी, यह जानने के लिए कि लोग अपनी निजी जिंदगी में क्या कर रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, चाचेस्कू के जमाने में पार्क में बैठे लोगों पर नजर रखने के लिए एक खुफिया एजेंट बैठाया जाता था। इसका पता लोगों को न चले, इसलिए वो अखबार में किए एक छेद के सहारे लोगों को देखा करता था। चाचेस्कू की मौत के 10 साल बाद भी रोमानिया में लोग डर के साये में जीते थे। वह अपनी परछाई से भी घबराते थे और सड़क पर चलते समय बार-बार पीछे मुड़कर देखा करते थे कि कहीं कोई जासूस उनका पीछा तो नहीं कर रहा।

बता दें कि रोमानिया में लोग चाचेस्कू को कंडू के डर के नाम से जानते थे, जिसका मतलब नेता होता था। जबकि उनकी पत्नी एलीना को रोमानिया की राष्ट्रमाता का खिताब दिया गया था। कहते हैं कि तानाशाही का आलम ये हो गया था कि जब कोई दो टीमों के बीच फुटबॉल मैच होता था तो एलीना यह तय करती थीं कि जीत किस टीम की होगी और वो मैच टीवी पर प्रसारित किया जाएगा या नहीं। ऐसा माना जाता था चाचेस्कू ने पूरे देश में गर्भपात पर प्रतिबंध लगा दिया था और इसके पीछे का उद्देश्य ये था कि वह रोमानिया की जनसंख्या को बढ़ाना चाहता था। ताकि वह अपने देश को एक विश्वशक्ति बना सकें। हालांकि उन्होंने तलाक पर प्रतिबंध नहीं लगाया था, लेकिन उसे इतना मुश्किल बना दिया था कि लोग तलाक ले ही नहीं सकते थे। यह भी कहा जाता है कि चाचेस्कू को साफ-सफाई की ऐसी बीमारी थी कि वह एक दिन में 20-20 बार अपने हाथ धोता था और वो भी शराब से। दरअसल, चाचेस्कू को डर था कि कहीं उन्हें इन्फेक्शन न हो जाए। बताया जाता है कि साल 1979 में वह ब्रिटेन की महारानी एलिजाबेथ से मिलने गया था। तब भी वह हर एक व्यक्ति से हाथ मिलाने के बाद शराब से अपना हाथ धोता था। यहां तक कि उसके बाथरूम में सिर्फ हाथ धोने के लिए ही शराब की बोतल रखवा दी गई थी। चाचेस्कू की तानाशाही जब हद से ज्यादा बढ़ गई तो लोगों ने उसके खिलाफ विद्रोह शुरू कर दिया इसका नतीजा ये हुआ कि 25 दिसंबर, 1989 को चाचेस्कू और उनकी पत्नी को गिरफ्तार कर लिया गया। अदालत ने दोनों को मौत की सजा सुनाई, उसके बाद चाचेस्कू और एलीना को गोली मारकर कर मौत के घाट उतार दिया गया।

गणेश जी के इस मंदिर में हर साल होता है चमत्कार

हमारे देश में हजारों मंदिर हैं और इनमें से कई मंदिर ऐसे हैं, जिन्हें चमत्कारी माना जाता है। कई मंदिरों के रहस्य तो आज तक कोई नहीं सुलझा पाया। प्रथम पूज्य भगवान गणेश जी के भी चमत्कारिक और रहस्मयी मंदिर भी देश में हैं। गणेश जी का ऐसा ही एक चमत्कारिक मंदिर है, जो 356 साल पुराना है। गणेश जी का यह मंदिर पुडुचेरी में है। इसके चमत्कार के किस्से काफी प्रसिद्ध हैं। जब पुडुचेरी में फ्रांसीसी शासन था उस वक्त मंदिर पर कई हमले हुए। ऐसा कहा जाता है कि इस मंदिर में स्थापित गणेश जी की मूर्ति चमत्कारिक है। इस मूर्ति को कई बार समुद्र में फेंका गया, लेकिन यह चमत्कार ही था कि हर बार मूर्ति अपने यथास्थान पर प्रकट हो जाती थी। गणेश जी के इस मंदिर का मुख सागर की ओर है, इसी वजह से इन्हें भुवनेश्वर गणपति के नाम से भी जाना जाता है। ऐसा कहा जाता है कि पहले यहां गणेश जी मूर्ति के आसपास ढेर सारी बालू थी, जिस वजह से इस मंदिर को मनाकुला विनायगर कहा जाने लगा। इस मंदिर का निर्माण 1666 में हुआ था। उस वक्त पुडुचेरी फ्रांस के अधीन था। गणेश जी का यह मंदिर करीब 8,000 वर्ग फुट क्षेत्र में बना है। इस मंदिर की दीवारों पर गणेश जी के जीवन से जुड़े दृश्य चित्रित किए गए हैं। इनमें भगवान गणेश के जन्म से लेकर उनके विवाह तक के अनेकों किस्से चित्रों के द्वारा दर्शाए गए हैं। यहां शास्त्रों में वर्णित गणेश जी के 16 रूपों के भी दर्शन कर सकते हैं। प्रथम पूज्य के इस मंदिर में मुख्य गणेश प्रतिमा के अलावा 58 अन्य गणेश प्रतिमाएं भी हैं। इस मंदिर में गणेश जी का 10 फीट ऊंचा भव्य रथ भी है। कहा जाता है कि इस रथ के निर्माण में करीब साढ़े सात किलो सोने का उपयोग हुआ है। गणेश जी के इस मंदिर में गणेश चतुर्थी को भक्तों की भारी भीड़ बप्पा के दर्शन करने इस मंदिर में आती है।

अयोध्या के मुख्य पुजारी के बाद चंपत राय भी आये राहुल के साथ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अयोध्या। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और वायनाड से सांसद राहुल गांधी अपनी भारत यात्रा को लेकर चर्चा में हैं। दिल्ली में 9 दिन के ब्रेक के बाद 3 जनवरी से उनकी यात्रा दोबारा शुरू हो गई है। यात्रा 3 जनवरी की सुबह दिल्ली के कश्मीरी गेट के हनुमान मंदिर से चलकर दोपहर को यूपी के गाजियाबाद में प्रवेश कर चुकी है। इस बीच राम मंदिर ट्रस्ट के सचिव चंपत राय ने राहुल गांधी को उनकी यात्रा के लिए शुभकामनाएं देने के एक दिन बाद उनके इस कदम की सराहना की है।

तीन जनवरी की रात फैजाबाद सर्किट हाउस में ट्रस्ट की बैठक में सम्मिलित होने आए चंपत राय ने पत्रकारों के सवाल का जवाब देते हुए कहा कि, देश में पैदल चल रहे एक युवक का मैं आभार व्यक्त करता हूं, मैं उसके इस कदम की सराहना करता हूं।

मैं राहुल के इस कदम की सराहना करता हूं : राय

चंपत राय ने कहा कि इसमें कुछ भी गलत नहीं है, मैं आरएसएस का कार्यकर्ता हूं और आरएसएस कभी भी भारत जोड़ो यात्रा की बुराई नहीं करता। उन्होंने आगे कहा, ''राहुल गांधी इस खराब मौसम में भी चल रहे हैं, इसकी सराहना की जानी चाहिए। मुझे कहना होगा कि हर किसी को देश की यात्रा करनी चाहिए।'' चंपत राय के अलावा ट्रस्ट के एक और सदस्य गोविंद देव गिरी ने भी कांग्रेस नेता की तारीफ करते हुए कहा, मैं राम जी से प्रार्थना करता हूं कि वह उन्हें आशीर्वाद दें ताकि राष्ट्र एकजुट, मजबूत और सामंजस्यपूर्ण बना रहे। भारत जोड़ो अच्छा नारा है और भारत को एकजुट होना भी चाहिए।

राम मंदिर के मुख्य पुजारी सत्येंद्रदास ने दी थी शुभकामनाएं

गौरतलब है कि 9 दिनों के ब्रेक के बाद दोबारा शुरू होने वाली भारत जोड़ो यात्रा के एक दिन पहले राम मंदिर के मुख्य पुजारी सत्येंद्रदास ने पत्र लिखकर यात्रा की सफलता के लिए राहुल गांधी को शुभकामनाएं दी थीं। उन्होंने अपने पत्र में लिखा था कि, मैं आशा करता हूं और प्रार्थना करता हूं कि जिस लक्ष्य के लिए आप लड़ रहे हैं। वह सफल हो, मैं आपको आपके लंबे जीवन का आशीर्वाद देता हूं। उल्लेखनीय है कि भारत जोड़ो यात्रा यूपी के तीन जिलों से गुजर कर हरियाणा में प्रवेश करेगी और वहां से पंजाब होते हुए जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में 30 जनवरी को समाप्त हो जाएगी।

पूर्व रॉ चीफ के बहाने भाजपा का फिर भारत जोड़ो यात्रा पर निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के यूपी पहुंचते ही उस पर राजनीति शुरू हो गई है। अब भारतीय खुफिया एजेंसी 'रिसर्च एंड एनेलेसिस विंग' (रॉ) के पूर्व प्रमुख अमरजीत सिंह दुलत के भारत जोड़ो यात्रा में शामिल होने पर भाजपा ने दुलत को निशाने पर लिया है। भाजपा आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने ट्वीट कर कहा कि दुलत ने कश्मीर संकट को यादगार बनाने का काम किया था।

भाजपा नेता अमित मालवीय ने ट्वीट कर आरोप लगाया कि पूर्व स्पाईमास्टर दुलत अपने काम के प्रति कभी प्रतिबद्ध नहीं थे। वे अलगाववादियों और पाकिस्तान से प्रभावित थे। मालवीय ने तंज कसते हुए कहा कि रॉ के पूर्व सचिव दुलत की कश्मीर संकट में यादगार भूमिका है। मालवीय ने यह भी कहा कि रॉ के विवादास्पद पूर्व प्रमुख एएस दुलत राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा में शामिल हुए। किसी ने भी दुलत पर अपनी नौकरी या उस देश के प्रति प्रतिबद्ध होने का आरोप नहीं लगाया, जिसकी वह सेवा करने के लिए नियुक्त किए गए थे। अलगाववादियों और पाकिस्तान के समर्थन और कश्मीर बवाल में उनकी अहम भूमिका है। दुलत ने वर्ष 1999 से 2000 तक रॉ का नेतृत्व किया था। राहुल गांधी के नेतृत्व वाले भारत जोड़ो मार्च में भाग लेने वाले वे नए महारथी हैं।

भोजन-पानी की तरह शांति भी जरूरी : मुर्मू

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सिरोही। राजस्थान में अपने दो दिवसीय दौरे के दौरान राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू सिरोही जिले में डायमंड हॉल में आजादी के अमृत महोत्सव के तहत आयोजित 'आध्यात्मिकता से स्वर्णिम भारत' कार्यक्रम का दीप प्रज्ज्वलित कर उद्घाटन किया।

इस दौरान कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए द्रोपदी मुर्मू ने कहा कि इस धरती पर सभी लोग मानसिक शांति चाहते हैं। सभी लोगों को भोजन और पानी की तरह शांति की आवश्यकता है। उन्होंने इस संस्थान की ओर से चलाए जा रहे राजयोग की भी तारीफ की। मुझे अंधकार से बाहर दूर निकाला। इससे पहले राष्ट्रपति ने जयपुर में डिजिटल तरीके से 1,000 मेगावॉट क्षमता की बीकानेर सौर बिजली परियोजना की आधारशिला रखी। यह परियोजना सार्वजनिक क्षेत्र की एसजेवीएन लगाएगी।

हल्द्वानी प्रकरण पर गरमायी उत्तराखंड की राजनीति

- उपवास पर बैठे पूर्व सीएम हरीश रावत
- प्रभावितों के पुनर्वास की उठाई मांग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। हल्द्वानी रेलवे भूमि प्रकरण को लेकर उत्तराखंड में सियासत तेज हो गई है। पूर्व सीएम हरीश रावत मामले को लेकर हल्द्वानी में उपवास पर बैठे हैं। रावत ने रेलवे भूमि के अतिक्रमण के मामले में कहा कि पुराने समय से रह रहे लोगों का पुनर्वास किया जाना जरूरी है। कहा कि सरकार योजनाबद्ध तरीके से इनका पुनर्वास कर सकती है। कहा कि हल्द्वानी में जो लोग 60 से 70 वर्षों से रह रहे हैं, उन घरों को तोड़ने का आदेश न्यायालय की ओर से हो गया है।

पूर्व सीएम हरीश रावत ने कहा कि राज्य सरकार से मांग करते हैं कि यह मानवीय समस्या है। इसे केवल कानूनी या राजनीतिक समस्या के तौर पर न देखा जाए। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने बस्तियों के लिए मलिन बस्ती नियमितीकरण कानून बनाया था। सरकार प्रभावितों का पुनर्वास करे।

वहीं नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने कहा कि राज्य सरकार ने न्यायालय में अपना प्रकरण सही तरह से नहीं रखा है। कहा कि रेलवे जिसको अपनी जमीन बता रहा है, उस जगह पर कई सरकारी स्कूल, फ्री होल्ड जमीन और सरकारी संपत्ति हैं। इसलिए राज्य सरकार को चाहिए कि वह उच्चतम न्यायालय में अपना पक्ष रखे। कहा कि सरकार के मन में खोट है और वह किसी भी तरह से पीड़ितों को बेदखल करना चाहती है।

रेलवे भूमि पर अतिक्रमण हटाने के लिए हाईकोर्ट के आदेश के बाद रेलवे ने सार्वजनिक नोटिस जारी कर दिया है। इसमें रेलवे स्टेशन से 2.19 किमी दूर तक अतिक्रमण हटाया जाना है। खुद अतिक्रमण हटाने के लिए सात दिन की मोहलत दी गई थी। जारी नोटिस में कहा गया है कि हल्द्वानी रेलवे स्टेशन 82.900 किमी से 80.710 किमी के बीच रेलवे की भूमि पर सभी अनाधिकृत कब्जों को तोड़ा जाएगा।

पूर्व कानून मंत्री सलमान से मिले विधायक सुमित हृदयेश

रेलवे भूमि प्रकरण पर कांग्रेस पूरी तरह से फंट फुट पर आ गई है। कांग्रेस विधायक सुमित हृदयेश मामले में कानूनी सलाह के लिए पूर्व कानून मंत्री सलमान खुर्शीद के पास पहुंचे हैं। यह प्रकरण राहुल गांधी के पास पहुंच गया।

राष्ट्रीय फलक पर चमकी यूपी की अलका

- उत्तराखंड राज्य के मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने सम्मानित कर बढ़ाया मान
- कानपुर की अलका सिंह ने उत्तराखंड को दूसरी बार बनाया है विजेता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी के कानपुर की रहने वाली अलका सिंह को क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ उत्तराखंड की जूनियर चयन समिति में शामिल होने पर देहरादून में आयोजित सम्मान समारोह में उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा सम्मानित किया गया। अलका को ये सम्मान उत्तराखंड की टीम को लगातार दूसरी बार विजेता बनाने पर मिला है।

सत्र 2020-2021 में जयपुर में हुए एकदिवसीय फाइनल मुकाबले में उत्तराखंड की अंडर-19 टीम ने मध्य प्रदेश को हराकर खिताब को अपने नाम किया था। सम्मान पाकर खुश शहर के कल्याणपुर के इंद्रानगर निवासी अलका ने कहा कि अब धीरे-धीरे क्रिकेट में महिलाओं का कद और रुतबा बढ़ रहा है। आने वाले समय में जल्द ही उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड की बेटियां बड़े मंचों पर अपने राज्य का प्रतिनिधित्व करती नजर आएंगी। बता दें कि अलका इससे पहले साल 2016 से 2019 तक उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन में जूनियर चयन समिति की सदस्य भी रह चुकी हैं। अलका को ये सम्मान क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ उत्तराखंड की ओर से आयोजित सम्मान समारोह में मिला। इस समारोह में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बीसीसीआई के घरेलू सत्र की वूमेंस अंडर-19 वनडे ट्रॉफी विजेता टीम के सभी सदस्यों को ट्रॉफी और स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया।

कोर्ट से आजम को 'सुप्रीम' झटका खारिज की केस ट्रांसफर की याचिका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रामपुर। समाजवादी पार्टी के कद्दावर नेता और रामपुर के पूर्व विधायक आजम खां को सुप्रीम कोर्ट से तगड़ा झटका लगा है। सुप्रीम कोर्ट ने आजम की उत्तर प्रदेश से केस को ट्रांसफर करने संबंधी याचिका को खारिज कर दिया है। आजम की याचिका को खारिज करते हुए कोर्ट ने कहा कि ऐसा नहीं है कि उत्तर प्रदेश में उन्हेंक न्याहय नहीं मिलेगा। आजम और उनके बेटे अब्दुल्ला ने अपनी याचिका में कहा था कि यूपी की अदालतों में उनसे जुड़े जितने भी मामले चल रहे हैं, उन्हेंद किसी दूसरे राज्यी में ट्रांसफर कर दिए जाएं।

अदालत ने कहा- ऐसा नहीं है यूपी में आपको न्याय न मिले

सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने आजम खान को हाईकोर्ट जाने के लिए कहा। साथ ही हाईकोर्ट को निर्देश दिया कि आजम खान के मामलों की सुनवाई जल्द करें। अपनी याचिका में आजम खान और अब्दुल्ला आजम ने दलील दी थी कि उन्हें यूपी में न्याय नहीं मिल पाएगा। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस मामले में सर्वोच्चह अदालत के दखल देने की कोई वजह नहीं नजर आ रही है। आप मामला रामपुर के बाहर ट्रांसफर करने समेत किसी भी राहत के लिए हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटा सकते हैं।

आजम खां के वकील ने कहा, यूपी में न्याय मिलने की उम्मीद नहीं

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आप हाईकोर्ट जाएं या आप चाहे तो याचिका वापस लें। सुनवाई के दौरान आजम के वकील कपिल सिब्बल ने कोर्ट में आजम खान का पक्ष रखा। कपील सिब्बल ने कहा कि आजम खान के लिए राज्य में करीब 87 एफआईआर किए गए हैं। कपील सिब्बल ने कहा कि सभी मामलों को राज्य से बाहर स्थानांतरित किया जाए। जिसपर कोर्ट ने कहा कि ऐसा नहीं है कि राज्य में आपको न्याय नहीं मिलेगा। इससे पहले आजम खान के वकील ने कहा कि सभी मामलों को राज्य से बाहर स्थानांतरित नहीं किया जाएगा। यूपी में न्याय मिलने की उम्मीद नहीं है। ऐसे में मेरे मुवक्किल कहां जाएं।

जैन समाज के समर्थन में आयीं मायावती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। झारखंड के गिरिडीह जिले की पारसनाथ पहाड़ी पर स्थित सम्मेद शिखरजी को पर्यटक स्थल घोषित करने का विवाद बढ़ता ही जा रहा है। इसको लेकर जैन समाज के लोग देश भर में विरोध-प्रदर्शन कर रहे हैं। अब बसपा प्रमुख मायावती का भी उनको समर्थन मिल गया है। मायावती ने कहा कि अपने धार्मिक स्थलों की सुरक्षा व पवित्रता के लिए जैन समाज के लोगों को सड़क पर उतरना पड़ रहा है, यह अति दुख और चिन्ता की बात है।

मायावती ने ट्वीट में लिखा कि भारत जैसे धर्मनिरपेक्ष देश में अब जैन धर्म के लोगों को भी अपने धार्मिक स्थलों की सुरक्षा व पवित्रता के लिए देश के विभिन्न हिस्सों में आंदोलित होकर इंडिया गेट सहित सड़कों पर जबरदस्त तौर पर प्रदर्शन करना पड़ रहा है, यह अति-दु:ख व चिन्ता की बात है। उन्होंने लिखा कि केंद्र और राज्य सरकारें टूरिज्म के विकास आदि को बढ़ावा देने के नाम पर कमर्शियल दृष्टिकोण से जिन गतिविधियों को अंधाधुंध बढ़ावा दे रही हैं, उससे श्रद्धालुओं में खुशी कम व असंतोष ज्यादा है।

राहुल पहले भी हमारे नेता थे और आज भी हैं: भूपेश बघेल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने एक कार्यक्रम के दौरान राहुल गांधी को अपना नेता बताया और मल्लिकार्जुन खरगे को अपना राष्ट्रीय अध्यक्ष। वहीं मुख्यमंत्री बघेल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भी तारीफ करते हुए उन्हें जुनूनी बताया है। अपनी मां के निधन के बाद भी पीएम मोदी द्वारा अपने कार्यक्रम न टालने पर भूपेश बघेल ने कहा कि मुझे अचरज हुआ लेकिन जिसको काम करने का जुनून हो वो करता ही है। नहीं तो सामान्यत: हिन्दू परिवार में निधन के बाद दिन दस गात्र होने तक घर से नहीं निकलते हैं। सभी रस्मों को निभाना होता है। लेकिन पीएम ने यह सब जिम्मेदारियां परिवार को सौंपकर अपनी जिम्मेदारी संभाली है।

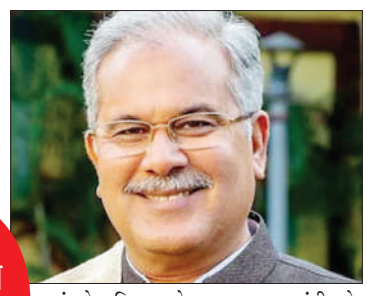

पीएम मोदी को बताया जुनूनी

सीएम बघेल ने कहा कि मुझे लगा कि मां के निधन के बाद प्रधानमंत्री के कार्यक्रम स्थगित हो जाएंगे। लेकिन पीएम ने पहले दिन भी कार्यक्रम किया और आगे की भी बैठकें लीं। वहीं वो किसे अपना नेता मानेंगे इस पर भूपेश बघेल ने कहा कि राहुल पहले भी हमारे नेता थे। अब भी हमारे नेता हैं। खरगे जी हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं। मेरे नेता राहुल गांधी हैं। उन्होंने कहा कि आप किसी को भी आदर्श मान सकते हैं।

मुख्तार की बढ़ी मुश्किलें, अब्बास अंसारी के खिलाफ 2200 पन्नों की चार्जशीट दाखिल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। बांदा जेल में बंद पूर्वांचल के माफिया डॉन मुख्तार अंसारी के खिलाफ ईडी ने कार्रवाई तेज कर दी है। ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग केस में जांच कर 2200 पन्नों की चार्जशीट कोर्ट में दाखिल की है। ईडी ने मुख्तार के विधायक बेटे अब्बास अंसारी, साले आतिफ रजा और विकास कंस्ट्रक्शन कंपनी के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है, मुख्तार अंसारी और उसकी पत्नी अफशां अंसारी के खिलाफ विवेचना जारी है।

बता दें कि ईडी ने मुख्तार अंसारी, उसकी पत्नी अफशां अंसारी, साले आतिफ रजा समेत अन्य के खिलाफ मार्च 2021 में मनी लॉन्ड्रिंग का केस दर्ज किया था। इस मामले में नवंबर 2021 में बांदा जेल जाकर ईडी के अफसरों ने मुख्तार अंसारी से पूछताछ भी की थी। लगभग एक साल तक ईडी ने मामले में साक्ष्य जुटाए और अब 2200 पन्नों की चार्जशीट दाखिल की है।

साक्ष्य जुटाने के दौरान ईडी की तरफ से मुख्तार अंसारी के सांसद भाई अफजाल अंसारी समेत अन्य को समन देकर बयान दर्ज करने के लिए बुलाया। मुख्तार अंसारी के विधायक बेटे अब्बास अंसारी को भी बयान देने के लिए बुलाया था, जहां से उसे गिरफ्तार कर 14 दिन के रिमांड पर लेकर पूछताछ की गई थी। साले आतिफ रजा उर्फ सरजील रजा को भी गिरफ्तार कर कस्टडी रिमांड पर लेकर पूछताछ की गई थी। इतना ही नहीं मुख्तार अंसारी को भी 15 दिन की रिमांड पर लेकर पूछताछ की गई थी। पूछताछ के बाद मुख्तार अंसारी को 28 दिसंबर 2022 को कोर्ट ने बांदा जेल भेज दिया था।

सुल्तानपुरी कांड : मृतका के परिवार से मिले डिप्टी सीएम सिसोदिया

दिल्ली सरकार के साथ का दिलाया भरोसा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। नए साल पर दिल्ली के सुल्तानपुरी थाना क्षेत्र में सड़क हादसे में हुई अंजलि की मौत को लेकर लोगों में आक्रोश देखा जा रहा है। साथ ही इस मामले को लेकर राजनीति भी शुरू हो गई है। आज दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने मृतका के घर पहुंचकर स्वजन से मुलाकात की है। इस दौरान उन्होंने पीड़ित परिवार को हरसंभव मदद का भरोसा दिया है। साथ ही पुलिस से आरोपितों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की बात कही है। वहीं भाजपा ने आम आदमी पार्टी पर इस मामले में राजनीति करने का आरोप लगाया है।

भाजपा के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा का कहना है कि आप नेता इस संवेदनशील मामले पर राजनीति से प्रेरित बयानबाजी कर रहे हैं। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को अपनी पार्टी के नेताओं को गलत बयानबाजी करने से रोकना चाहिए। उन्होंने मीडिया से कहा कि पिछले दो दिनों से आप नेता दिल्ली के उपराज्यपाल और दिल्ली पुलिस के एक अधिकारी के विरुद्ध व्यक्तिगत टिप्पणी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली पुलिस सुल्तानपुरी मामले की जांच कर रही है। उम्मीद है कि जल्द ही यह मामला सुलझ जाएगा। उन्होंने कहा कि उपराज्यपाल के साथ ही केंद्रीय गृह मंत्रालय ने सुल्तानपुरी की घटना को गंभीरता से लिया है।

केजरीवाल कर चुके हैं 10 लाख के मुआवजे का ऐलान

इससे पहले दिल्ली सरकार इस मामले पर मृतका के परिवार को 10 लाख रुपये का मुआवजा देने का ऐलान कर चुकी है। इसकी घोषणा मंगलवार को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने की थी। साथ ही केजरीवाल ने कहा था कि इस दुख की घड़ी में दिल्ली सरकार पीड़िता के परिवार के साथ खड़ी है। भविष्य में भी दिल्ली सरकार पीड़िता के परिवार की कानूनी व जरूरत अनुरूप मदद करेगी। इस संबंध में सीएम केजरीवाल ने ट्वीट कर कहा था कि पीड़िता की मां से बात हुई है, बेटी को न्याय दिलवायेंगे। उनकी मदद के लिए बड़े से बड़ा वकील खड़ा करेंगे। उनकी मां बीमार रहती हैं। उनका पूरा इलाज करवायेंगे। पीड़िता के परिवार को दस लाख रुपये का मुआवजा देंगे।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।